एक नजर में

दो दिनों से लगातार 40 डिग्री पहुंच रहा पारा

गुना। जिले में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है, जिससे उमस और तीखी धूप ने लोगों को बेहाल करना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों से शहर का तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के स्तर पर पहुंच रहा है, जिसकी वजह से गर्मी का असर एक बार फिर तेजी से बढ़ गया है। मौसम में आया यह बदलाव बेहद अचानक रहा है। इससे पहले बीते शुक्रवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जिससे लोगों को तेज गर्मी से खासी राहत मिली हुई थी। हालांकि, पिछले 48 घंटों में पारे में अचानक आई 5 डिग्री सेल्सियस की इस भारी उछाल ने हवाओं में तल्खी बढ़ा दी है। दोपहर के समय सीधी धूप और उमस के कारण सड़कों पर आवाजाही कम देखी जा रही है, और लोग गर्मी से बचने के उपाय तलाश रहे हैं।

नियमों को ताक पर रख जोड़ी बिजली केबल

गुना। शहर के हनुमान मंदिर कमला भवन (फैशन पैराडाइज के पीछे) के पास बिजली विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां मेंटेनेंस के नाम पर नियमों को ताक पर रखकर तीनों फेज के तारों को एक ही जगह जॉइंट कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र में बड़े हादसे और फाल्ट का खतरा मंडरा रहा है। नियमानुसार तीनों मुख्य तारों के बीच उचित गैप होना अनिवार्य है, लेकिन विभाग की अनदेखी के चलते अब जरा सी हवा चलने पर भी ये तार आपस में टकरा सकते हैं। तारों के टकराने से शॉर्ट सर्किट होने और पूरा फीडर बंद होने की आशंका है, जिससे भीषण गर्मी के इस मौसम में जनता को घंटों बिजली कटौती झेलनी पड़ेगी। सबसे बड़ा खतरा पास ही लगे ट्रांसफार्मर को है, क्योंकि तारों के आपस में मिलने से सीधे ट्रांसफार्मर पर लोड आएगा और वह फुंक सकता है।

गुना में दूषित पानी का कहर !, 25 से अधिक बच्चे उल्टी-दस्त के शिकार

9 अभी भी भर्ती, जिला अस्पताल में मची अफरा-तफरी, विभाग ने लिए पानी के सैंपल

नवभारत न्यूज

गुना 7 जून का। शहर के बूढ़े बालाजी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और वार्ड नंबर 9 सहित आसपास के इलाकों में अचानक उल्टी-दस्त की बीमारी फैलने से हड़कंप मच गया है। पिछले कुछ दिनों के भीतर ही 3 से 12 साल की उम्र के करीब 20 से 25 बच्चों की तबीयत बिगड़ने की जानकारी सामने आई है।

हालत गंभीर होने पर 8 से 10 बच्चों को तुरंत गुना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। कुछ बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि वर्तमान में 9 बच्चे अस्पताल में उपचाराधीन हैं। कुछ पीड़ितों ने निजी क्लीनिकों में भी अपना इलाज कराया है। इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय निवासियों में भारी चिंता का माहौल है और लोग डर रहे हैं कि कहीं इंदौर के भागीरथपुरा जैसा गंभीर हादसा यहां भी न दोहरा जाए। परिजनों का पूरा ध्यान और आरोप क्षेत्र में होने वाली पानी की सप्लाई पर टिका हुआ है। पीड़ित बच्चों के माता-पिता का स्पष्ट कहना है कि पिछले करीब 15 दिनों से इलाके में लोग लगातार बीमार पड़ रहे हैं। परिजनों के मुताबिक, बच्चों ने अचानक पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत की, जिसके पीछे मुख्य वजह घरों में आने वाला गंदा और दूषित पानी है। हालांकि, बीमारी की असल वजह पूरी तरह पानी ही है या कुछ और, यह तो स्वास्थ्य विभाग की अंतिम जांच रिपोर्ट के बाद ही साफ हो सकेगा, लेकिन स्थानीय लोगों का दावा है कि क्षेत्र में कई जगह मुख्य पेयजल पाइपलाइन लीक है। अनुपयोगी और पुराने हो चुके नलों के जरिए नालियों का गंदा पानी रोजाना होने वाली वाटर सप्लाई में मिक्स हो रहा है, जिससे लोग बीमार हो रहे हैं।

पार्षद प्रतिनिधि ने उठाए सवाल, पीएचई की बड़ी लापरवाही आई सामने

इस पूरे मामले में वार्ड 9 के पार्षद प्रतिनिधि लालाराम लोधा ने भी माना कि बूढ़े बालाजी और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बड़े पैमाने पर बच्चों के बीमार होने की खबरें आ रही हैं। उन्होंने पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी) विभाग के अधिकारियों से इस गंभीर स्थिति पर तुरंत संज्ञान लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरी ओर, इस पूरे मामले में

पीएचई विभाग की एक बड़ी लापरवाही भी उजागर हुई है। अधिकारियों ने खुद स्वीकार किया है कि क्षेत्र की पानी की टंकी की सफाई पिछले करीब 4 महीने से नहीं हुई है। टंकी की नियमित सफाई न होना और पाइपलाइन में लीकेज की समस्या ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर हरकत में आया प्रशासन

इस मामले की जानकारी जैसे ही कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के संज्ञान में आई, उन्होंने नगरपालिका प्रशासन को मामले की तत्काल जांच करने और आवश्यक कदम उठाने के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर के निदेर्शों के बाद नगरपालिका का अमला तुरंत हरकत में आया और जल प्रकोष्ठ प्रभारी ने कर्मचारियों की एक टीम को तत्काल मौके पर रवाना किया।

टीम ने वार्ड के विभिन्न

प्रभावित स्थानों पर पहुंचकर पानी के नमूने (सैंपल) एकत्रित किए। यह पूरी प्रशासनिक कार्रवाई वार्ड पार्षद सुमन लालाराम लोधा की प्रत्यक्ष उपस्थिति में संपन्न हुई। जांच और कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते हुए जल प्रकोष्ठ प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक निरीक्षण के दौरान जो नमूने लिए गए हैं, उनमें शुरूआती तौर पर किसी प्रकार की दुर्गंध अथवा दृश्य अशुद्धता (गंदगी) नहीं पाई गई है और पानी देखने में सामान्य एवं स्वच्छ प्रतीत हुआ है। इसके बावजूद, किसी भी तरह की आशंका को दूर करने और पानी की वास्तविक गुणवत्ता की शत-प्रतिशत पुष्टि के लिए एकत्रित किए गए सभी नमूनों को गहन परीक्षण हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) की प्रयोगशाला में भेज दिया गया है। इधर, बच्चों के स्वास्थ्य और जनसुरक्षा से जुड़े इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक प्रयोगशाला से आधिकारिक जांच प्रतिवेदन (रिपोर्ट) प्राप्त नहीं हो जाता, तब तक क्षेत्र की स्थिति पर लगातार और सतत निगरानी रखी जाए।

नपा अधिकारी भी पहुंचे अस्पताल

मामले की गंभीरता को देखते हुए नगरपालिका के अधिकारी भी जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से फीडबैक लिया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि संबंधित इलाकों से पानी के सैंपल लेकर जांच कराई जा रही है और लीकेज को सुधारने के लिए तुरंत टीमें भेजी जा रही हैं। फिलहाल डॉक्टर भी दूषित खानपान या पानी के कारण इंफेक्शन की आशंका जता रहे हैं, लेकिन वास्तविक कारणों की पुष्टि रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

अस्पताल पहुंचे नेता और प्रशासनिक अधिकारी, पानी के सैंपल लिए गए

सनसनीखेज मामले की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता अनमोल सलूजा ने जिला अस्पताल पहुंचकर पीड़ित बच्चों और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से चर्चा कर पूरे शहर की पानी टंकियों की नियमित सफाई कराने की मांग उठाई। देर शाम भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सीएमएचओ (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) से बात कर बच्चों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए। सिकरवार ने बताया कि वार्ड 9 के अलावा वार्ड 14 और अन्य क्षेत्रों को मिलाकर अब तक 20 से 25 बच्चों के बीमार होने की जानकारी मिली है। पानी की जांच के लिए सैंपल भेजे जा चुके हैं, जिसकी रिपोर्ट एक-दो दिन में आ जाएगी।

कुंभराज में दुकान के मालिकाना हक को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

बीच-बीच कराने आए बुजुर्ग सहित 4 घायल, गुना रेफर

नवभारत न्यूज

कुंभराज/गुना। जिले के कुंभराज कस्बे में शनिवार दोपहर दुकान के मालिकाना हक को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चल गए। इस खूनी संघर्ष में एक 75 वर्षीय बुजुर्ग समेत कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को कुंभराज के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर हालत में गुना जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, कुंभराज के व्यापारी भगवान स्वरूप विहाणी और संदीप माहेश्वरी के परिवारों के बीच एक दुकान के मालिकाना हक को लेकर लंबे समय से तनाव चल रहा है। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे यह विवाद उस समय अचानक हिंसक हो उठा, जब भगवान दास का परिवार दुकान के सामने नमक की बोरियां रख रहा था। इसी बात पर दोनों पक्षों में पहले तीखी कहा-सुनी हुई और देखते ही देखते दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। हिंसक झड़प में दोनों पक्षों से कुल चार लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक पक्ष से पिता-पुत्र भगवान स्वरूप विहाणी और प्रफुल्ल विहाणी शामिल हैं, जबकि दूसरे पक्ष से संदीप माहेश्वरी और गुलाब सिंह मीणा को चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि घायलों में शामिल 75 वर्षीय बुजुर्ग विवाद के दौरान केवल बीच-बचाव करने पहुंचे थे, लेकिन वे भी इस मारपीट का शिकार हो गए।

पुलिस पर निष्पक्ष कार्रवाई न करने के आरोप

घटना के बाद विहाणी परिवार ने दूसरे पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि संदीप माहेश्वरी और उनका परिवार ऊंची राजनीतिक पहुंच रखता है, जिसके दबाव में आकर स्थानीय पुलिस इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही है। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ड्राइवर को नींद का झोंका आने से हुआ हादसा, बाल-बाल बची जान

गुना। नेशनल हाईवे 46 पर आवान के पास आज सुबह एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। महिंद्रा कंपनी के नए ट्रैक्टरों से भरा एक तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। इस हादसे में कंटेनर में रखे ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। गनीमत यह रही कि घटना के समय कोई अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया और कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, महिंद्रा कंपनी के पांच नए ट्रैक्टरों को लोड करके कंटेनर इंदौर की ओर से शिवपुरी की ओर जा रहा था। सुबह करीब 6:30 बजे जैसे ही कंटेनर आवान के पास पहुंचा, तभी अचानक ड्राइवर को नींद का झोंका आ गया। पलक झपकते ही ड्राइवर का वाहन पर से नियंत्रण खो गया और ट्रैक्टरों से लदा भारी-भरकम कंटेनर हाईवे किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही डायल 108 के ड्राइवर फिरोज खान तुरंत एम्बुलेंस लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। राहत की बात यह रही कि इतनी भीषण दुर्घटना के बावजूद कंटेनर के ड्राइवर और क्लीनर सुरक्षित हैं और किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। चूंकि सुबह के वक्त हाईवे पर ट्रैफिक कम था, इसलिए कोई दूसरा वाहन इसकी जद में नहीं आया। दुर्घटना के बाद दोपहर तक कंटेनर और उसमें लदे ट्रैक्टर खाई में ही पड़े रहे, जिन्हें बाद में क्रेन की मदद से निकालने के प्रयास शुरू किए गए।

डीपीएस एनएफएल में शत-प्रतिशत रहा 10वीं का परीक्षा परिणाम

गुना। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) एनएफएल विजयपुर का सीबीएसई कक्षा 10वीं का सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय और शानदार रहा है। विद्यालय ने इस वर्ष भी अपनी मजबूत शैक्षणिक परंपरा को कायम रखते हुए शत-प्रतिशत उत्तीर्ण परिणाम प्राप्त किया है। इस वर्ष घोषित परीक्षा परिणाम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में वंदना धाकड़ ने 96.2 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही श्याम जोशी ने 90.8 प्रतिशत और उत्कर्ष पंडित ने 88.2 प्रतिशत अंकों के साथ अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष विद्यालय का कुल औसत परिणाम 76.3 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस शानदार सफलता पर डीपीएस के प्रो. वी.सी. विनय कुमार गुप्ता ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं, विद्यालय के प्राचार्य राकेश सिंह चौधरी ने इस बेहतरीन सफलता के लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों के निरंतर सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी विद्यालय इससे भी अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा।

जन-जन तक पहुंच रहा परिवार नियोजन और मातृ स्वास्थ्य का संदेश

गुना। जिले में परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य और किशोर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष संचार अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषीश्वर के नेतृत्व में यह अभियान संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। गुना, यूएनएफपीए समर्थित विशेष जिलों में शामिल है, जहां यह अभियान 02 जून 2026 से प्रारंभ हो चुका है और 22 जून 2026 तक लगातार जारी रहेगा। इस विशेष अभियान के सघन क्रियान्वयन के लिए जिले के गुना और बीनागंज विकासखंडों का चयन किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी समुदाय में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को

बढ़ाना तथा परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य एवं किशोर स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर लोगों को सही निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के तहत दो गर्भधारण के बीच उचित अंतराल रखने की आवश्यकता, शासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे आधुनिक गर्भनिरोधक साधनों की सही जानकारी, सम्मानजनक मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व और सही उम्र व सुरक्षित अंतराल पर गर्भधारण को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण संदेशों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके अलावा, युवाओं और स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संवादात्मक एवं सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। अभियान को गति देने के लिए एक विशेष आईईसी वाहन (प्रचार रथ) चलाया जा रहा है, जो ऑडियो-विजुअल माध्यमों और जनसंपर्क गतिविधियों के जरिए स्वास्थ्य संबंधी संदेश आमजन तक पहुंचा रहा है. यह वाहन अब तक गुना, म्याना, लेहरघाट, भदौरा, नेतलपुर, बजरंगगढ़, विनायक खेड़ी, छीपोन, भिलेरा, पगारा और बेहटाघाट जैसे क्षेत्रों में पहुंचकर बड़ी संख्या में लोगों को जागरूक कर चुका है। आने वाले दिनों में भी यह अभियान चयनित गांवों और समुदायों में निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान के सफल और प्रभावी संचालन में यूएनएफपीए मध्य प्रदेश के राज्य प्रमुख सुनील थॉमस जैकब तथा डॉ. मेघा गुप्ता का महत्वपूर्ण तकनीकी व प्रशासनिक सहयोग प्राप्त हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग और यूएनएफपीए के इन संयुक्त प्रयासों से परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य एवं किशोर स्वास्थ्य से संबंधित यह संदेश जिले के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों तक बेहद प्रभावी रूप से पहुंच रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की उम्मीद है।

विश्व योगासन चैंपियनशिप में शामिल हुए गुना के योगाचार्य

नवभारत न्यूज

गुना 7 जून का। गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित हो रही ऐतिहासिक प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश के गुना जिले के राष्ट्रीय योगासन निर्णायक व योगाचार्य महेश पाल विशेष रूप से शामिल हुए हैं। इस विश्वस्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया, जिसमें योगगुरु स्वामी रामदेव, खेल मंत्री मनसुख मांडवीया और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। चैंपियनशिप में विश्व के 75 से अधिक देशों के खिलाड़ी, कोच और निर्णायक भाग ले रहे हैं।

यह प्रतियोगिता 12 विभिन्न स्पर्धाओं में आयोजित की जा रही है। दरअसल, योगासन खेल विश्वभर में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और इसके ओलंपिक खेलों में शामिल होने की संभावनाएं मजबूत हो रही हैं। यदि ऐसा होता है, तो भारतीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। इस गौरवपूर्ण प्रतियोगिता में भारतीय टीम की कप्तानी डॉक्टर आरती पाल कर रही हैं। प्रतियोगिता में शामिल हुए गुना के योगाचार्य महेश पाल ने योग को भारतीय संस्कृति, अनुशासन और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बताया। गुना के योगाचार्य की इस वैश्विक मंच पर सहभागिता से स्थानीय खेल प्रेमियों में हर्ष है।

अपराध आरोपी पर हत्या सहित दर्ज हैं 20 गंभीर मामले

विंध्यांचल कॉलोनी में प्राणघातक हमला करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

गुना 7 जून का। शहर की विंध्यांचल कॉलोनी में पिछले दिनों हुए प्राणघातक हमले के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए प्रभावी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी संतोष किरार को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी एक आदतन और शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ पूर्व में हत्या और हत्या के प्रयास जैसे विभिन्न गंभीर अपराधों के कुल 20 मामले दर्ज हैं।

गुना एसपी हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में जिले में अपराधियों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति के तहत यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन और सीएसपी गुना प्रियंका मिश्रा के पर्यवेक्षण में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा और उनकी टीम ने अंजाम दिया। घटनाक्रम के अनुसार, 4 जून 2026 को विंध्यांचल कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय फरियादी नरेश चौकसे ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी ने बताया था कि वह सुबह मंदिर से स्कूटी द्वारा अपने घर लौट रहा था, तभी वंदना स्कूल के पास वाली गली में संतोष किरार, सूरज किरार, श्रीराम किरार और उनके एक अन्य साथी ने पुरानी रंजिश के चलते उसे रोक लिया। इसके बाद संतोष किरार ने उसकी स्कूटी पर लाठी से हमला कर उसे सड़क पर गिरा दिया और सभी आरोपियों ने लाठी, पाइप व फर्से जैसे घातक हथियारों से उसकी बेरहमी से मारपीट की। इस हमले में नरेश चौकसे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल आरोपियों के खिलाफ गुना कोतवाली में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू की थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी सहायता से सघन दबिश दी। पुलिस की सतर्कता के परिणाम स्वरूप घटना के मात्र तीसरे दिन, 7 जून 2026 को मुख्य आरोपी संतोष किरार (54) निवासी ग्राम गुढ़ा, थाना फतेहगढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी से मामले में शामिल अन्य फरार व अज्ञात आरोपियों के संबंध में पूछताछ करने के लिए उसे माननीय न्यायालय से विधिवत पुलिस रिमांड पर लिया है।

पहले से दर्ज हैं केस

पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई है कि गिरफ्तार आरोपी संतोष किरार के खिलाफ पूर्व में जिले के फतेहगढ़, कोतवाली, बमोरी, धरनावदा और राघौगढ़ जैसे विभिन्न थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, धोखाधड़ी, मारपीट, चोरी, आर्म्स एक्ट, जुआ एक्ट तथा एससी/एसटी एक्ट जैसी गंभीर धाराओं में कुल 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। गुना पुलिस अब प्रकरण में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है और उन्हें भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मावन के पास पिकअप अनियंत्रित होकर पलटी, बिहार के 7 से 8 मजदूर घायल ; एक की मौत

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के मावन के समीप एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने का दर्दनाक हादसा सामने आया है। इस दुर्घटना में वाहन में सवार 7 से 8 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं, हादसे में एक मजदूर की मौत होने की दुखद खबर है। बताया जा रहा है कि सभी मजदूर बिहार के रहने वाले हैं, जो गुना जिले में मजदूरी करने के लिए आए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी मजदूर एक पिकअप वाहन में सवार होकर जा रहे थे, तभी मावन के पास चालक के नियंत्रण खो देने के कारण वाहन अचानक सड़क पर पलट गया। वाहन के पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए वाहन में फंसे घायल मजदूरों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।

हादसे के बाद सभी घायल मजदूरों को तुरंत उपचार के लिए गुना के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक, कुछ मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं। बेहद दुखद बात यह रही कि इस हादसे में एक मजदूर की जान नहीं बचाई जा सकी।

मृत मजदूर की पहचान नागेंद्र महतो के रूप में हुई है। घटना का शिकार हुए सभी श्रमिक मूल रूप से बिहार के निवासी हैं, जो अपनी आजीविका चलाने के लिए गुना जिले में मजदूरी का काम करने आए थे। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाकर घायल मजदूरों के परिजनों और बिहार में उनके गृह ग्राम में घटना की सूचना दे दी है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।